दैनिक नवशोभ
6367472963, pradeeplaxminarayandwivedi@gmail.com

श्रीगणेश की शुभ दृष्टि जीवन की सारी बाधाएं दूर करेगी!

हर माह में शुक्ल पक्ष की, अमावस्या के बाद आने वाली चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहा जाता है, जबकि पूर्णिमा के बाद आने वाली यानी कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहते हैं।

श्रीगणेश पूजा में शुद्ध भावना का विशेष महत्व है, इसलिए पवित्र मन से प्रार्थना करें, श्रीगणेश की शुभ दृष्टि जीवन की सारी बाधाएं दूर करेगी!

श्रीगणेश चतुर्थी के अवसर पर श्री गणेश की आराधना जीवन में विजय की पताका फहराती है।

इस दिन सच्चे मन से भगवान श्री गणेश की पूजा करें, लड्डुवन का भोग लगाएं, श्री गणेश कृपा की कामना के साथ दूब अर्पित करें, सामर्थ्य के अनुसार व्रत करें और संभव हो तो दान-पुण्य करें, कथा सुने...जीवन सफल हो जाएगा!

जब हम कोई कार्य करते हैं तो उसका उद्देश्य होता है- विजय। जीवन में व्यक्ति हर समय विजय प्राप्त करने के लिए प्रयास करता है लेकिन विघ्न, विजय की राह में बाधा बनते हैं... श्रीगणेश की आराधना समस्त विघ्नों को समाप्त करती है और इसका सबसे अच्छा अवसर होता है हर माह की चतुर्थी!

श्रीगणेश चतुर्थी का पूजा-पर्व भगवान श्रीगणेश को समर्पित है, चतुर्थी का व्रत हर महीने होता है, लेकिन सबसे मुख्य चतुर्थी का व्रत भाद्रपद के महीने में होता है, संपूर्ण विश्व में इसे गणेश चतुर्थी यानी भगवान गणेशजी के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है!

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय, लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय, गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते।।

विघ्नों को दूर करनेवाले, वरदान देनेवाले, देवताओं के प्रिय, बड़े उदरवाले, सर्वजगत की रक्षा करनेवाले, हाथी सदृश्य मुखवाले, वेद और यज्ञ के आभूषण, देवी पार्वती के पुत्र, ऐसे हैं गणों के स्वामी श्रीगणेश, आपको नमस्कार हो, नमस्कार हो!

श्री गणेशाय नमः

दैनिक नवशोभ
6367472963, pradeeplaxminarayandwivedi@gmail.com

ऐसे करें नाग पंचमी पूजा-व्रत

स्थानीय धर्मगुरू के निर्देशानुसार **नाग पंचमी** की पूजा-व्रत करें, क्योंकि अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग पंचमियों को **नाग पंचमी** मनाई जाती है.

इस पूजा के आठ नागदेव हैं- **अनन्त, वासुकी, पद्म, महापद्म, तक्षक, कुलीर, कर्कट और शंख,** इन अष्ननागों की पूजा होती है.

चतुर्थी के दिन एक समय भोजन करें और पंचमी के दिन पूजा-कथा करके शाम को भोजन करें.

पूजा करने के लिए यदि नागमंदिर न हो तो मिट्टी की नागमूर्ति, चित्र आदि को प्रतिष्ठित कर पूजा करें.

स्थानीय पूजा विधि से हल्दी, रोली, चावल, फूल आदि चढ़ाएं.

पूजा के बाद कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नागदेव को अर्पित करें.

पूजा के बाद नागदेव की कथा सुने, आरती करें.

कथा का उद्देश्य नाग पंचमी के महत्व को दर्शाना है इसलिए स्थानीय प्रचलित कथा सुने-सुनाएं.

जो व्यक्ति **कालसर्प योग** के कुप्रभाव की गिरफ्त में हैं वे इस अवसर का सदुपयोग करें, पूजा करें और संभव हो तो सपेरे के बंधन से किसी सांप को मुर्क्त करवाएं!

धर्मग्रंथों के अनुसार नाग दो तरह के होते हैं- **दिव्य और भौम**! इनमें से दिव्य सर्प देवकार्य करते हैं जबकि पृथ्वी पर विचरण करने वाले विषयुक्त शेष सर्प करीब अस्सी प्रकार के होते हैं.

ऐसा माना जाता है कि नाग पंचमी के दिन पूजा करने वाले व्यक्ति और उसके परिवार को सर्प भय नहीं होता है.

नाग पंचमी के दिन नागदेव को दूध अर्पित करने से **अनंत पुण्य** की प्राप्ति होती है!

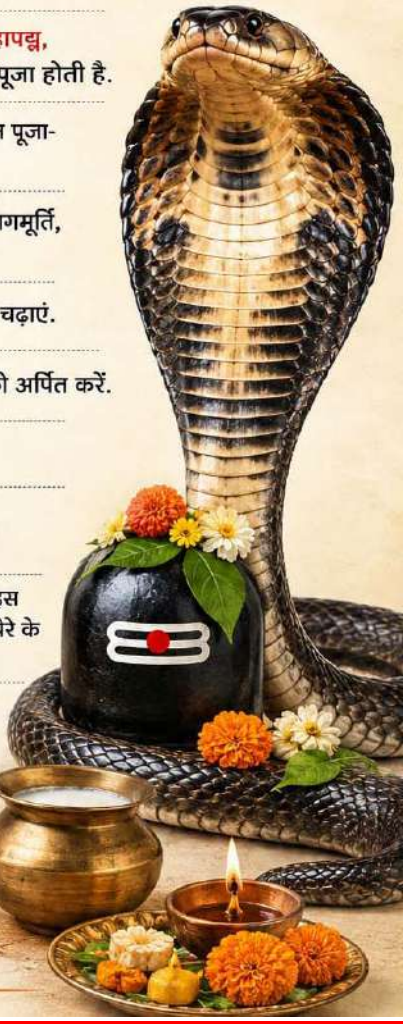

दैनिक नवशोभ
6367472963, pradeeplaxminarayandwivedi@gmail.com

आज का दिन 17 अगस्त 2026, पंचमी.... कालसर्प योग के लिए नागपूजा!

*** नाग पंचमी - 17 अगस्त 2026, सोमवार**

*** नाग पंचमी पूजा मुहूर्त - 06:09 एएम से 08:44 एएम**

*** वागड़, गुजरात में नाग पंचमी - 1 सितम्बर 2026, मंगलवार**

*** पंचमी तिथि प्रारम्भ - 16 अगस्त 2026 को 04:52 पीएम बजे**

*** पंचमी तिथि समाप्त - 17 अगस्त 2026 को 05:00 पीएम बजे**

जन्म पत्रिका में काल सर्प योग कई बार जीवन में सफलता में बाधा बनता है, इसे दोष मानकर परेशान न हों, कई ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी कुण्डली में काल सर्प योग होने पर भी वे सफलतम रहे हैं, इसलिए यदि कुण्डली में काल सर्प योग है तो शांति के लिए करें-

* यदि जन्म पत्रिका में काल सर्प योग है और उसके कारण नुकसान हो रहा है तो ससमय शांति पूजा करें.
* काल सर्प योग के कारण बाधा-परेशानियां हैं तो नाग पंचमी के दिन नाग प्रतिमा स्थापित कर कच्चा दूध अर्पित करते हुए पूजा करें,
* सम्भव हो तो सपेरे द्वारा पकड़े गए सर्प को बंधन मुक्त करवाएं.
* प्रतिदिन सर्प-सुक्त का पाठ करें.
* भगवान शिव का अभिषेक करें और चाँदी के नाग-नागन का जोड़ा बहते पानी में प्रवाहित करें.
* घर में मोर-मुकुट धारण किए श्रीकृष्ण की मूर्ति-चित्र रखें और यथाशक्ति 'ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय' जाप करते हुए पूजा करें.
* राहु और राहु की दशा से प्रभावित व्यक्ति प्रतिदिन सरस्वती मंत्र पूजा करें.
* देवी सरस्वती की पूजा से भ्रम की स्थिति से मुक्ति मिलती है, राहु से संबंधित परेशानी में देवी सरस्वती की पूजा-आराधना करके लाभ प्राप्त किया जा सकता है!

-सरस्वती वंदना-

या कुन्देदुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।

या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।।
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवै: सदा वंदिता
सा माम् पातु सरस्वती भगवती नि:शेषजाड्यापहा।।

* नागपाश मुक्तिदाता श्री हनुमान की पूजा और सुन्दरकांड का पाठ भी लाभदायक है।

अतुलित बलधामं हेमशैलाभदेह
दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम।
सकलगुण निधानं वानराणामधीशं
रघुपतिप्रिय भक्तं वातजातं नमामि।।

* राहु छाया ग्रह है जो व्यक्ति को मतिभ्रम की स्थिति में ले आता है, जैसे छाया का स्थाई अस्तित्व होता नहीं है, पर नजर आती है वैसे ही राहु का कुप्रभाव स्थाई होता नहीं है पर महसूस होता है!
* राहु की दशा-अंतरदशा में यह विचलित कर देता है तथा व्यक्ति अज्ञात भय से ग्रस्त रहता है!

धर्म कथानुसार.... राजा परीक्षित की मृत्यु तक्षक नामक नाग के काटने से हुई थी. जनमेजय जो अर्जुन के पौत्र, परीक्षित के पुत्र थे, ने नागों से बदला लेने और नागवंश के विनाश के लिए नाग यज्ञ किया. नागों की रक्षा के लिए इस यज्ञ को ऋषि जरत्कारु के पुत्र आस्तिक मुनि ने रोका.
जब इस यज्ञ को रोका गया उस दिन श्रावण मास की पंचमी तिथि थी इसलिए तब से नाग पंचमी पर्व मनाने की परंपरा शुरू हुई.
वैसे पौराणिक काल से ही नाग को देवता के रूप में पूजा जाता रहा है. धर्मग्रंथों के अनुसार ब्रह्मा के पुत्र ऋषि कश्यप की चार पत्नियाँ थी. ऐसा माना जाता है कि उनकी पहली पत्नी से देवता, दूसरी पत्नी से गरुड़ और चौथी पत्नी से दानव उत्पन्न हुए, लेकिन उनकी तीसरी पत्नी कद्रू थी, जिनका संबंध नागवंश से था, वहीं से नागों की उत्पत्ति हुई!

ऐसे करें नाग पंचमी पूजा-व्रत

* स्थानीय धर्मगुरु के निर्देशानुसार नाग पंचमी की पूजा-व्रत करें क्योंकि अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग पंचमियों को नाग पंचमी मनाई जाती है.
* इस पूजा के आठ नागदेव हैं- अनन्त, वासुकी, पद्म, महापद्म, तक्षक, कुलीर, कर्कट और शंख, इन अष्टनानागों की पूजा होती है.

* चतुर्थी के दिन एक समय भोजन करें और पंचमी के दिन पूजा-कथा करके शाम को भोजन करें.
* पूजा करने के लिए यदि नागमंदिर न हो तो मिट्टी की नागमूर्ति, चित्र आदि को प्रतिष्ठित कर पूजा करें.
* स्थानीय पूजा विधि से हल्दी, रोली, चावल, फूल आदि चढ़ाएं.
* पूजा के बाद कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नागदेव को अर्पित करें.
* पूजा के बाद नागदेव की कथा सुने, आरती करें.
* कथा का उद्देश्य नाग पंचमी के महत्व को दर्शाना है इसलिए स्थानीय प्रचलित कथा सुने-सुनाएं.
* जो व्यक्ति कालसर्प योग के कुप्रभाव की गिरफ्त में हैं वे इस अवसर का सदुपयोग करें, पूजा करें और संभव हो तो सपेरे के बंधन से किसी सांप को मुक्त करवाएं!
* धर्मग्रंथों के अनुसार नाग दो तरह के होते हैं- दिव्य और भौम। इनमें से दिव्य सर्प देवकार्य करते हैं जबकि पृथ्वी पर विचरण करने वाले विषयुक्त शेष सर्प करीब अस्सी प्रकार के होते हैं.
* ऐसा माना जाता है कि नाग पंचमी के दिन पूजा करने वाले व्यक्ति और उसके परिवार को सर्प भय नहीं होता है.
* नाग पंचमी के दिन नागदेव को दूध अर्पित करने से अनंत पुण्य की प्राप्ति होती है!

* आज का राशिफल: 17 अगस्त 2026

मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन राशियों के लिए उत्तम समय, शेष राशियों के लिए सामान्य दिन, कुंभ राशि में जन्मे लोगो के लिए अष्टम चन्द्र, शिवोपासना करें!

* यहां दी जा रही जानकारियां संदर्भ हेतु हैं, विभिन्न पंचांगों, धर्मग्रथों से साभार ली गई है, स्थानीय समय, परंपराओं और धर्मगुरु-ज्योतिर्विद् के निर्देशानुसार इनका उपयोग कर सकते हैं, क्योंकि यहां दिया जा रहा समय अलग-अलग शहरों में स्थानीय समय के सापेक्ष थोड़ा अलग हो सकता है.
* अपने ज्ञान के प्रदर्शन एवं दूसरे के ज्ञान की परीक्षा में समय व्यर्थ न गंवाएं क्योंकि ज्ञान अनंत है और जीवन का अंत है!

दैनिक नवशोभ
6367472963, pradeeplaxminarayandwivedi@gmail.com

कंज्यूमर मेन डॉ अनंत शर्मा की अनोखी पहल, 28 प्रदेशों की मिट्टी से निर्मित भारत का नक्शा राष्ट्र को किया समर्पित

जयपुर. देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर जयपुर आज अनूठी पहल का साक्षी बना। कंज्यूमर मैन ऑफ़ इंडिया डॉ अनंत शर्मा द्वारा देश भर के 28 प्रदेशों से संजोकर लाई गई मिट्टी से निर्मित भारत के नक्शे को आज राष्ट्र को समर्पित किया गया।

यह मिट्टी उन्होंने हाल ही संपन्न अपनी 20000 किलोमीटर से अधिक लंबी उपभोक्ता जागरूकता भारत यात्रा के दौरान एकत्र की थी। यात्रा की शुरुआत 24 दिसंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम से केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कराई थी।

डॉ अनंत शर्मा के नेतृत्व में लगभग 4 माह चली इस यात्रा का आयोजन कंज्यूमर कनफेडरेशन आफ इंडिया 'सीसीआई' की ओर से किया गया था। मिट्टी से निर्मित नक्शे का लोकार्पण समारोह गंगवाल पर स्थित केंस के कार्यालय में आयोजित हुआ।

इससे पूर्व डॉ अनंत शर्मा ने तिरंगा फहराकर लोगों को स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने इस प्रयास को देश की विविधता और संस्कृति की एकता को दर्शाने वाला बताया और विभिन्न राज्यों की मिट्टी को इसका प्रतीक बताया, कार्यक्रम का संयोजन सीसीआई के निदेशक कैलाश कुमावत ने किया । गंगवाल पार्क नागरिक विकास समिति के सचिव हर्ष भाटी ने स्वागत भाषण दिया । अन्य पिछड़ा वर्ग संघ के अध्यक्ष प्रवीण तवर ने कार्यक्रम का संचालन किया और केंस के कार्यक्रम प्रभारी मनोज माहेश्वरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

दुर्गापुरा जयपुर में महायज्ञ एवं गौ सेवा कार्यक्रम....

दैनिक नवशोभ
6367472963, pradeeplaxminarayandwivedi@gmail.com

जयपुर. राजस्थान गौ सेवा संघ गौशाला, दुर्गापुरा में गोपाल शरण महाराज के सानिध्य में महायज्ञ कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश के अग्रणी समाजसेवी और राजस्थान ब्राह्मण महासभा के प्रमुख प्रदेश महामंत्री मधुसूदन शर्मा ने उपस्थित होकर महामहिम राज्यपाल का अभिनंदन एवं स्वागत किया। इसके पश्चात यज्ञ में आहुति अर्पित कर गौ माता की सेवा की गई। कार्यक्रम में जयपुर शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। महामहिम राज्यपाल ने मधुसूदन शर्मा जी द्वारा किए जा रहे सामाजिक सेवा कार्यों की सराहना की और समाज सेवा के क्षेत्र में इसी प्रकार निरंतर योगदान देते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।